

खेल प्रतिभाओं के सम्मान समारोह का आयोजन खेलों में सफलता हेतु मानसिक तैयारियाँ विषय पर परिचर्चा संपन्न



भिलाई। आत्मबल बढ़ाने के लिए मेडिटेशन कारगर उपाय है। खेल को हम खेल भावना से खेलें। यदि हार होती है तो समझें कि प्रैक्टिस की कमी है या जीत कुछ समय के लिए स्थगित हुई है। वैसे भी जिन्दगी में हार-जीत लगी ही रहती है इसलिए हार में निराशा न हों।

उक्त उद्गार खेल एवं युवा कल्याण आयुक्त, छत्तीसगढ़ शासन के राजकुमार देवांगन ने ब्रह्माकुमारीज खेल प्रभाग द्वारा प्लेटिनम जुबली वर्ष के अंतर्गत इस्पात नगरी भिलाई में नवनिर्मित अंतर्दिशा भवन में "खेलों में सफलता हेतु मानसिक तैयारियाँ विषय पर आयोजित परिचर्चा व स्नेह मिलन कार्यक्रम में व्यक्त

किये। उन्होंने कहा कि आंतरिक शक्तियाँ प्राप्त करने में भारत का प्रथम स्थान सदा से रहा है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता खेल प्रभाग की राष्ट्रीय संयोजिका ब्र.कु.शशिप्रभा ने अपने संबोधन में कहा कि हम ऐसा खेलें जो अपने शहर, देश व समाज का नाम रोशन करें। सफलता प्राप्त करने के लिए मन को सदा एक्टिव तथा एलर्ट रखें। मन में जैसा विचार करेंगे वैसा ही व्यवहार होगा। मन को पॉजिटिव, पॉवरफुल व क्रियेटिव थॉट्स दें। पॉजिटिव थॉट्स प्रकाश है, लाईट है। जब भी आप खेलेंगे तो वह शक्तिशाली संकल्प आपका सहयोग कर जीत के

समीप ला देगा। मेडिटेशन नेगेटिव वृत्ति को परिवर्तित कर पॉजिटिव बना देता है।

इस अवसर पर अपने मुख्य वक्तव्य में खेल प्रभाग के मुख्यालय संयोजक ब्र.कु.जगबीर सिंह ने कहा कि खिलाड़ियों की मानसिक एकाग्रता व आत्मविश्वास को बढ़ाने हेतु राजयोग प्रशिक्षण बहुत उपयोगी है। आत्मविश्वास को बढ़ाने के लिए स्वयं को जानना, सफलता के दृश्य को विज्युलाइज करना, बार-बार अभ्यास करना, आधात्मिक ऊर्जा के स्रोत से संबंध जोड़ना तथा लाइफ फोर्स को बढ़ाना बहुत जरूरी है। कार्यक्रम में

विशिष्ट अतिथि भिलाई इस्पात संयंत्र के महाप्रबंधक मानव संसाधन चैतन ऋषि ने कहा कि निरोगी शरीर खेल एवं व्यायाम से प्राप्त होता है। अच्छा सोचने की प्रक्रिया निरंतर होने से संकल्पों की सिद्धि जरूर प्राप्त होती है। विषम परिस्थितियों में जिसका दिमाग शांत होता है, वही विजेता होता है। मुम्बई के माइंड पॉवर व मोटिवेशनल ट्रेनर ब्र.कु.बलराम ने खिलाड़ियों को एकाग्रता बढ़ाने के लिए कुछ अभ्यास करवाये। उन्होंने बताया कि सभी पॉवर माइंडेड लोग मेडिटेटस है। बिना मेडिटेशन के सबकॉन्शियस माइंड तक नहीं पहुंच सकते हैं। हमारे अंदर बहुत जोश व जुनून होना चाहिए। कुछ करने का, कुछ पाने का।

कार्यक्रम में भिलाई सेवाकेंद्र की संचालिका व इस कार्यक्रम की प्रेरणास्रोत ब्र.कु.आशा बहन जी ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। ब्र.कु.युगरत्न, दुर्ग ने गीत गाकर अतिथियों व खिलाड़ियों का स्वागत किया। इस अवसर पर भिलाई के 8 खेल प्रशिक्षकों व 50 अवार्ड प्राप्त खिलाड़ियों का मोमेंटो व सम्मानपत्र देकर सम्मान किया गया जिसमें मुख्य रूप से बॉक्सिंग में राजेन्द्र प्रसाद, पूर्व एक दिवसीय एवं टेस्ट क्रिकेटर राजेश चौहान, बॉस्केट बॉल के प्रशिक्षक राजेश पटेल, एथलेटिक्स वेन आर.के.पिल्लै, बॉडी बिल्डिंग के पी.शोलमन शामिल थे। इस कार्यक्रम में इंडोर व आउटडोर खेलों के 300 वरिष्ठ खिलाड़ियों एवं प्रशिक्षकों ने भाग लिया।

उत्कृष्ट सेवा कार्य करने वाले चिकित्सकों का सम्मान हुआ

बचपन से रोपित करें अच्छे स्वास्थ्य के संस्कार- शेखर दत्त



मंच परविराजित है छत्तीसगढ़ के महामहिम राज्यपाल शेखर दत्त जी, ब्र.कु.कमला। हाल में उपस्थित वरिष्ठ चिकित्सक

रायपुर (शांति सरोवर)। दृढ़ इच्छा शक्ति से अच्छे स्वास्थ्य को अर्जित किया जा सकता है। इसके लिये बचपन से ही स्वच्छता, शारीरिक व्यायाम और सही खान-पान की आदत डालनी चाहिये।

उक्त विचार चिकित्सक दिवस के अवसर पर छत्तीसगढ़ के राज्यपाल महामहिम शेखर दत्त ने इण्डियन मेडिकल एसोसिएशन (आई.एम.ए) और प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के मेडिकल प्रभाग द्वारा शांति सरोवर में आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि हर एक परिवार, स्कूल और समाज के लिये यह जरूरी है कि वह बच्चों में अच्छे स्वास्थ्य के संस्कार रोपित करें और उन्हें बिमारियों से बचाव की आदत डालें। बिमारियों से बचाव के लिये प्रिवेन्टिव हेल्थ केयर

जरूरी है। विशेषकर छत्तीसगढ़ जैसे राज्य में स्वच्छ पेयजल के उपयोग करने की आदत से स्वास्थ्य संबंधी अनेक बिमारियों की रोकथाम की जा सकती है। समारोह में चिकित्सा के क्षेत्र में उत्कृष्ट सेवा कार्य करने वाले चिकित्सकों को सम्मानित किया।

समारोह को संबोधित करते हुए क्षेत्रीय प्रशासिका ब्र.कु.कमला बहन ने चिकित्सकों से आग्रह किया कि मरीजों की दुआओं से अपनी झोली भरें। इसके लिये जरूरी है कि मरीजों को अपने ही परिवार का अंग मानें। उन्होंने कहा कि अच्छा चिकित्सक तो सभी बनना चाहते हैं किन्तु इससे पहले एक अच्छा इंसान बनकर दिखायें। हमें शरीर के साथ साथ मन को भी तंदुरुस्त रखना सीखना होगा। उन्होंने कहा कि ईश्वर का प्रतिदिन ध्यान

करने से हमारा मन सशक्त बनता है। मन के सशक्त होने से ही हमें जीवन में खुशी, शांति और आनंद की अनुभूति होती है। इस अवसर पर ब्र.कु.प्रांका ने तनाव मुक्त जीवन के लिए मेडिटेशन की महत्ता पर अपने विचार रखे।

कार्यक्रम में शासकीय स्वास्थ्य विज्ञान एवं आयुष विश्व विद्यालय रायपुर के कुलपति पद्मश्री डॉ.ए.टी.दाबके, इण्डियन मेडिकल एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ.अजा सहाय, सचिव डॉ.रविंद्र थवाइत आदि ने अपनी शुभ कामनाएं व्यक्त की। इस कार्यक्रम में अनेक चिकित्सकों सहित गणमान्य नागरिकों ने भाग लिया। इस अवसर पर वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. सुषमा वर्मा को डॉ.वी.सी.रा. अवार्ड से सम्मानित किया गया।



वृन्दी (राज.)। कन्या भ्रूण हत्या रोकने के लिए आयोजित धर्मगुरुओं एवं प्रशासनिक अधिकारियों की बैठक को संबोधित करते हुए ब्र.कु.कमला बहन एवं साथ में बैठी है जिला कलेक्टर आरती डोगरा



जबलपुर (नेपियर टाउन)। जगदम्बा सरस्वती जी के स्मृति दिवस पर अपना अनुभव सुनाती जबलपुर मेडिकल कालेज की डीन डॉ.शशि खरे एवं ब्र.कु.भूमि, ब्र.कु.श्वेता



सिवनी। सामाजिक न्याय विभाग मध्य प्रदेश शासन द्वारा आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय नशा निवारण दिवस कार्यक्रम में सम्बोधित करते हुए ब्र.कु.गोता, मंचासीन है विधायक नीता पटेलिया, पूर्व मंत्री डालसिंह बिसेन